Series HRL/2

Code No. 3/2/1
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यह युग एक प्रकार से पैसे का युग है । चारों ओर धन की ही पुकार मची हुई है । परन्तु फिर भी एक ग़रीब लेखक तथा विद्वान् व्यक्ति का करोड़पतियों से अधिक आदर होता है । धन हमेशा ही बुरी आदतों को प्रोत्साहन देता है । धन-लोलुप व्यक्ति की सफलता हज़ारों को दुख और असफलता में डाल देती है । बुद्धि की दुनिया में सफलता से समाज

की उन्नति में सहायता मिलती है । धनी धन के घमंड में अपने चरित्र को खो बैठता है और धनहीन उसे ही अपना सब कुछ समझकर अपनाता है । पर चरित्रवान् पुरुष तो चरित्र को ईश्वर का एक आदेश मानता है और धन-संचय या लाभ-हानि की चिंता किए बिना निःस्वार्थ भाव से अपने कार्य करता है । इसीलिए हम सब चरित्रवान् पर भरोसा करते हैं । संसार में विजय पाने के लिए चरित्र बड़ा मूल्यवान् साधन होता है । चरित्र के मार्ग पर चलने वाला आदमी ही सच्चे अर्थों में महान् होता है । ऐसे व्यक्ति ही मानव-जाति का कल्याण करते हैं, अनाथों और निरीह अबलाओं के उत्थान में सहायक होते हैं, रोगग्रस्त मानवों की सहायता करते हैं और राष्ट्र के उत्थान के लिए अपना बलिदान कर देते हैं ।

संसार में जिसका देवता सुवर्ण होता है उसका हृदय प्रायः पत्थर का होता है । उसको दूसरों के आँसू पोंछने में विश्वास नहीं होता । वह दूसरों को मिटाकर बनता है, दूसरों के घर गिराकर अपना घर बनाता है, उसकी नस-नस में लोभ भरा होता है । ऐसे मनुष्य के चेहरे पर कभी भी सौम्यता, शान्ति एवं माधुर्य का भाव दृष्टिगोचर नहीं होता । प्रकृति उसके चेहरे पर उसके हृदय की दुर्गन्ध की छाप लगा देती है ।

संसार को ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो स्वार्थ के लिए नहीं परार्थ के लिए जीवित रहते हैं । जो धन के लिए स्वाभिमान नहीं बेचते, जिनकी अन्तरात्मा एक दिशा-सूचक यंत्र की सुई के समान एक शुभ नक्षत्र की ओर ही देखा करती है, जो अपने समय, शक्ति और जीवन को दूसरों के लिए, देश, जाति और समाज के लिए अर्पित कर देते हैं । ऐसे ही आदमियों का चरित्र महान् होता है । ये वज्र के समान दृढ़ होते हैं, पत्थरों के प्रहार होते हैं, पर उनका एक रोम भी विचलित नहीं होता ।

(i) आधुनिक समय को पैसे का युग क्यों कहा गया है ?

(ii) 'बुद्धि की दुनिया' से लेखक का क्या अभिप्राय है ?

(iii) धनिकता में कौन-से दुर्गुण पैदा हो जाते हैं ? वह दूसरे के दुःखों का कारण कैसे बनती है ?

(iv) चारित्रिक महत्त्व की दृष्टि से धनी और धनहीन के दृष्टिकोण में क्या अंतर होता है ?

(v) चरित्रवान् समाज के लिए किस प्रकार उपयोगी होता है ?

(vi) 'संसार में जिसका देवता सुवर्ण होता है' — कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(vii) निम्नलिखित शब्द का समानार्थी बताइए : *1*

आदर

(viii) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी बताइए : *1*

लाभ, उन्नति ।

(ix) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(x) निम्नलिखित शब्द में प्रत्यय और उपसर्ग अलग कीजिए : *1*

असफलता

2. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

जीवन एक कुआँ है
अथाह-अगम
सबके लिए एक-सा वृत्ताकार !
जो भी पास जाता है,
सहज ही तृप्ति, शान्ति, जीवन पाता है !
मगर छिद्र होते हैं जिसके पात्र में,
रस्सी-डोर रखने के बाद भी,
हर प्रयत्न करने के बाद भी —
वह यहाँ प्यासा का प्यासा रह जाता है ।

मेरे मन ! तूने भी, बार-बार
बड़ी-बड़ी रस्सियाँ बटीं
रोज़-रोज़ कुएँ पर गया
तरह-तरह घड़े को चमकाया,
पानी में डुबाया, उतराया
लेकिन तू सदा ही —
प्यासा गया, प्यासा ही आया !
और दोष तूने दिया
कभी तो कुएँ को

कभी पानी को
कभी सब को
मगर कभी जाँचा नहीं ख़ुद को
परखा नहीं घड़े की तली को
चीन्हा नहीं उन असंख्य छिद्रों को
अरे मूढ ! अब तो ख़ुद को परख देख

(i) कविता में जीवन को कुआँ क्यों कहा गया है ? कैसा व्यक्ति कुएँ के पास जाकर भी प्यासा रह जाता है ?

(ii) कवि का मन सभी प्रकार के प्रयासों के उपरांत भी प्यासा क्यों रह जाता है ?

(iii) किन पंक्तियों का आशय है — हम अपनी असफलताओं के लिए दूसरों को दोषी मानते हैं ?

(iv) यदि किसी को असफलता प्राप्त हो रही हो तो उसे किन बातों की जाँच-परख करनी चाहिए ?

अथवा

माना आज मशीनी युग में, समय बहुत महँगा है लेकिन
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी हैं !

उम्र बहुत बाक़ी है लेकिन, उम्र बहुत छोटी भी तो है
एक स्वप्न मोती का है तो, एक स्वप्न रोटी भी तो है
घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है :
सोया है विश्वास जगा लो, हम सब को नदिया तरनी है !
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी हैं !

मन छोटा करने से मोटा काम नहीं छोटा होता है,
नेह-कोष को खुलकर बाँटो, कभी नहीं टोटा होता है,
आँसू वाला अर्थ न समझे, तो सब ज्ञान व्यर्थ जाएँगे :
मत सच का आभास दबा लो, शाश्वत आग नहीं मरनी है !
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी हैं !

(i) मशीनी युग में समय महँगा होने का क्या तात्पर्य है ? इस कथन पर आपकी क्या राय है ?

(ii) 'मोती का स्वप्न' और 'रोटी का स्वप्न' से क्या तात्पर्य है ? दोनों में क्या अंतर है ?

(iii) 'घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है' — पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(iv) मन और स्नेह के बारे में कवि क्या परामर्श दे रहा है और क्यों ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : *10*

(क) जीवन में पहली बार पर्वतीय यात्रा के दौरान, पर्वतों के प्राकृतिक सौन्दर्य, वहाँ के सुरम्य वातावरण एवं कल-कल कर बहते झरनों के नाद ने आपके मन को मोह लिया है । इस यात्रा के रोमांचक अनुभवों को अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) आपके विद्यालय के छात्रों ने विद्यालय की रंगशाला में देशभक्ति से भरपूर एक नाटक का मंचन किया । उस मंचन की कौन-सी बातें आपको अच्छी लगीं तथा उसको देखकर आपके मन में किस प्रकार का भाव जगा ?

(ग) भारत के उन्नायकों में महात्मा गाँधी, जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, सुभाष चन्द्र बोस जैसे कर्णधारों की गणना होती है । देश की प्रगति एवं समृद्धि के लिए किसके योगदान एवं व्यक्तित्व ने आपको अधिक प्रभावित किया है ? क्यों ?

4. विनाशकारी भूचाल से पीड़ित मित्र को पत्र लिखकर उसके दिवंगत परिजनों के प्रति शोक प्रकट करते हुए उसको धैर्य धारण करने की प्रेरणा दीजिए । *5*

अथवा

दूरदर्शन के कार्यक्रमों में भारतीय किसान की समस्याओं की प्रस्तुति में प्रायः उपेक्षा-भाव बरता जाता है । दूरदर्शन के निदेशक के नाम पत्र लिखकर इस दिशा में उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियापदों को छाँटकर उनके भेद लिखिए :

(i) वह प्रतिदिन प्रातःकाल जगता है ।

(ii) प्रातः भ्रमण के बाद फलों का रस पीता है ।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर उनके भेदों के नाम लिखिए :

(i) वह एकान्त स्थान पर चला गया ताकि चिंतन कर सके ।

(ii) तुम्हें उनका भाषण चुपचाप सुनना चाहिए ।

6. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए :

उसने संपूर्ण ग्रंथ पढ़ लिया ।

7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए :

(i) बिजेंद्र रिंग में उतरकर ताबड़तोड़ घूँसे बरसाने लगा । (संयुक्त वाक्य में)

(ii) मैंने कष्ट के दिनों में पैसा देकर उसकी सहायता की । (मिश्र वाक्य में)

(iii) आतंकवादी जंगलों में छिपकर बैठ गए और पुलिस के लौटने की प्रतीक्षा करने लगे । (सरल वाक्य में)

8. निर्देशानुसार वाच्य बदलकर लिखिए :

(i) आओ ! मिलकर बैठें । (भाववाच्य में)

(ii) अपराधी से पुलिस सब कुछ उगलवा लेगी । (कर्मवाच्य में)

(iii) इनके द्वारा जो लिखा जाता है वह समझ में नहीं आता । (कर्तृवाच्य में)

9. निम्नलिखित काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(i) आयसु काह कहिअ किन मोही

(ii) प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्‌यौ

(iii) तीन बेर खाती थीं वे तीन बेर खाती हैं

10. अधोलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

कौसिक सुनहु मंद येहु बालकु । कुटिलु कालबस निज कुल घालकु ॥
भानुबंस राकेस कलंकू । निपट निरंकुसु अबुधु असंकू ॥
कालकवलु होइहि छन माहीं । कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं ॥
तुम्ह हटकहु जो चहहु उबारा । कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ॥
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा । तुम्हहिं अछत को बरनै पारा ॥
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी । बार अनेक भाँति बहु बरनी ॥
नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू । जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ॥
बीरब्रती तुम धीर अछोभा । गारी देत न पावहु सोभा ॥

(i) प्रस्तुत काव्यांश में किस-किस के बीच संवाद हुआ है और संवाद का कारण क्या है ?

(ii) काव्यांश के आधार पर परशुराम की स्वभावगत विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए ।

(iii) लक्ष्मण के व्यंग्य-वचनों का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

फ़सल क्या है ?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण-धर्म है
रूपान्तर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !

(i) कवि ने फ़सल को नदियों का जादू क्यों कहा है ?

(ii) किनके हाथों का स्पर्श पाकर फ़सल परिपक्वता प्राप्त करती है ?

(iii) 'रूपान्तर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !
काव्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए ।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर दीजिए : 3+3+3=

(क) पाठ्य-पुस्तक में संगृहीत सूरदास के पदों के आधार पर योग-साधना के प्रति गोपियों के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'छाया मत छूना' कविता के कवि ने अपने जीवन में बहुत-सी अभिलाषाएँ और स्मृतियाँ सँजो रखी थीं । आपने अपने जीवन में जो इच्छाएँ और स्मृतियाँ सँजो रखी हैं, उनमें से किन्हीं तीन का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की किन विशेषताओं की ओर संकेत करना चाह रहा है ?

(घ) 'आत्मकथ्य' कविता के कवि ने सुख का जो स्वप्न देखा था, उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया गया है ?

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=

गाधिसू नु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ ।

अयमय खाँड न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ ।।

(i) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :
अयमय खाँड न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ ।

(ii) काव्यांश की भाषा का नाम बताइए ।

(iii) ये पंक्तियाँ किस छन्द में लिखी गई हैं ?

(iv) पहली पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(v) प्रयुक्त भाषा की एक विशेषता समझाइए ।

अथवा

पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल,
कहीं पड़ी है उर में
मंद-गंध-पुष्प-माल
पाट-पाट शोभा-श्री
पट नहीं रही है ।

(i) पुष्पमाला के लिए प्रयुक्त विशेषण का प्रयोग-सौंदर्य समझाइए ।

(ii) रूपक अलंकार का उदाहरण चुनकर लिखिए ।

(iii) प्रयुक्त भाषा की विशेषता समझाइए ।

(iv) 'पाट-पाट शोभा-श्री' में कौन-सा अलंकार है ?

(v) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :
कहीं पड़ी है उर में
मंद-गंध-पुष्प-माल

13. अधोलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+2=6*

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी । किन्तु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना । इधर पतोहू रो-रोकर कहती — मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा ? बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे चरणों से अलग नहीं कीजिए ।

(i) भगत ने बेटे के क्रिया-कर्म में तूल क्यों नहीं किया ?

(ii) भगत पतोहू की दूसरी शादी क्यों कराना चाहते थे ?

(iii) पतोहू भगत के चरणों में ही क्यों रहना चाहती थी ?

अथवा

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ, धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें । पिताजी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे । उन्होंने ज़िन्दगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं.... केवल दिया ही दिया । हम भाई-बहिनों का सारा लगाव माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा । उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श न बन सका.... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता ।

(i) लेखिका की माँ उनके पिता के ठीक विपरीत कैसे थीं ? कारण देकर स्पष्ट कीजिए ।

(ii) अपने पति और बच्चों के प्रति व्यवहार से लेखिका की माँ के किन गुणों का परिचय मिलता है ?

(iii) आपके विचार से लेखिका ने अपनी माँ के गुणों को अपने व्यक्तित्व में क्यों नहीं उतरने दिया होगा ?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3+3=9*

(क) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं ?

(ख) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर फ़ादर कामिल बुल्के की जो छवि उभरती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) 'बिस्मिल्ला खाँ' के व्यक्तित्व की कौन-कौन-सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया है ? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ को दृष्टि में रखते हुए किन्हीं तीन का उल्लेख कीजिए ।

(घ) किन महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे और आग की खोज हुई होगी — 'संस्कृति' पाठ के आधार पर बताइए ।

15. (क) महावीरप्रसाद द्विवेदी जी द्वारा रचित 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' निबन्ध क्या उनकी दूरगामी और खुली सोच का परिचायक नहीं है ? तर्कसंगत उत्तर लिखिए ।

(ख) सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

16. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए : *4*

(क) 'माता का अँचल' पाठ में ग्राम्य संस्कृति के जिस रूप का चित्रण है — वह आधुनिक युग में पर्याप्त अंशों में परिवर्तित हो चुका है । परिवर्तित रूप के कुछ उदाहरण देते हुए इस कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए ।

(ख) 'साना साना हाथ जोड़ि...' पाठ में बताया गया है कि प्रदूषण के कारण हिमपात में बहुत कमी हो गई है । प्रदूषण के और बहुत से दुष्परिणाम, जो आप दिन-प्रतिदिन के जीवन में देखते हैं, उनका उल्लेख कीजिए ।

17. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+2=6*

(क) 'मैं क्यों लिखता हूँ ?' पाठ के लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

(ख) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !' पाठ के आधार पर बताइए कि दुलारी का टुन्नू से पहली बार परिचय कहाँ और किस रूप में हुआ ।

(ग) 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है । — 'साना साना हाथ जोड़ि...' पाठ के आधार पर इस कथन के विषय में अपनी राय व्यक्त कीजिए ।

(घ) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ को दृष्टि में रखते हुए लिखिए कि अख़बारों ने ज़िंदा नाक लगने की ख़बर को किस तरह से प्रस्तुत किया ।